मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

अगस्त
2025 अंक

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस सभागार के प्रांगण में ध्वजारोहण के बाद तिरंगे को सलामी देतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

अच्छी सुविधा, माहौल और श्रेष्ठ पैकेज से रुकेगा प्रतिभा पलायन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के विदेश में बसे टैलेंट को आकर्षित करने के आह्वान पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति ने दैनिक जागरण के साथ इंटरव्यू में रखे विचार

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि भारतीय मेधा देश से बाहर अच्छी सुविधा, अच्छे कार्य माहौल और बेहतरीन पैकेज के लिए जाती है। विशेष तौर पर शोध के क्षेत्र में असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर की अच्छी मेधा विदेश में टेंपररी पोजीशन पर कार्य करने को तैयार हो जाती है। यह कटु सत्य है। कुलपति ने कहा कि हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या विश्वविद्यालयों में शोध के लिए अतिरिक्त पद बनाए जा सकते हैं। देश के विश्वविद्यालयों में ही बेहतर रिसर्च करने की सुविधा मिलेगी तो वह बाहर नहीं जाएंगे।

रक्षा मंत्री की ओर से यह आह्वान किए जाने और चर्चा शुरू करने को एक बेहतर शुरुआत मानते हुए प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालयों में यदि स्थायी पद होंगे तो उन पर ऐसे टैलेंट को नियुक्त कर उनकी मेधा का लाभ शिक्षण और शोध दोनों में ले सकते हैं। अच्छे टैलेंट को अच्छी फेलोशिप मिलेगी तो वह देश छोड़कर नहीं जाएंगे। घर के आसपास रहकर शोध करने को प्रेरित होंगे। ये सुविधाएं और बेहतर माहौल न मिलने के कारण ही डालर व पाउंड में कमाने की चाहत में युवा विदेश जाते हैं। अब भारत सरकार की ओर से पीएम उषा जैसी योजनाओं के जरिए विश्वविद्यालयों में बेहतर संसाधनों को बढ़ाया जा रहा है। बीच के कुछ वर्षों के अंतराल में इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पहले यूजीसी की टीम द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में निरीक्षण कर विषयवार रिक्त पदों पर नियुक्ति की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों को भेजा जाता था। उस प्रक्रिया में कुलपति अपने विवेक पर जिन विषयों पर रिसर्च कराना चाहते थे, उनके लिए नियुक्ति की सिफारिश करते थे। यह प्रक्रिया लंबे समय बंद रही जिससे विश्वविद्यालयों में रिक्तियां बहुत ज्यादा बढ़ गईं।

देश की रक्षा, सुरक्षा और विकास से विदेश में रहने वाले भारतीय हुनर को जोड़ने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशभर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से आह्वान किया है। रक्षा मंत्री ने कुलपतियों से जानना चाहा है कि ऐसे क्या मूलभूत बदलाव किए जाएं, ऐसे कौन से इंसेटिव दिए जाएं, जिससे दुनियाभर में फैला भारतीय टैलेंट अपने देश के लिए काम करने आए। उन्होंने यह भी जानने की अपेक्षा व्यक्त की है कि क्या हम ऐसी व्यवस्था कर सकते हैं, जिससे एक देश में कार्यरत भारतीय परेशानी होने पर दूसरे देश में जाने के बजाय भारत लौटकर यहां के शोध, विकास और इनोवेशन ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने में योगदान देने को प्रेरित हो सकें। रक्षा मंत्री के आह्वान पर दैनिक जागरण ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला से बातचीत की।

कुलपति ने कहा कि हम पूल आफ टैलेंट को आकर्षित करने के लिए रिसर्च स्पेशलाइजेशन के लिए बुला सकते हैं। उन्हें अच्छे वेतन व सुविधाएं देकर हमें बुलाना चाहिए। कम सुविधा व कम वेतन पर वह कतई नहीं आएंगे। भारतीय विद्वानों को भारत के लिए कार्य करना चाहिए। इसके लिए उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी हमारी भी है। इस समय सबसे जरूरी है कि देश के युवा मेधावियों को बाहर जाने से रोकने के जरूरी उपाय किए जाएं। आइआइटी, एनआइटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शोध के सर्वश्रेष्ठ अवसर देकर वैज्ञानिकों को रोकना होगा। इसी तरह दूसरे देशों में जाकर बस चुके पुराने वैज्ञानिकों की दूसरी पोढ़ी को भी स्वदेश लौटने का आकर्षण तैयार करना होगा। जब युवा पीढ़ी को प्रेरित करने वाली मुहिम शुरू होगी तो इसका प्रचार प्रसार युवा पीढ़ी खुद ही बेहतर तरीके से करेगी। कुलपति के तौर पर रिसर्च और इनोवेशन में अच्छे बच्चों को यहां रोकने की कोशिश करेंगे। असिस्टेंट प्रोफेसर आदि पद बनाकर उन्हें रोकना होगा। पीएम उषा के तहत सीसीएसयू को सौ करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है जिससे इसे आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय ने रिसर्च डायरेक्टर, रिसर्च रैंकिंग जैसी पहल की है जिसके जरिए यहां के टैलेंट को यहीं पर रोका जा सकता है।

एंटी रैगिंग सप्ताह

कैंपस में सुरक्षित माहौल बनाएं : कुलपति

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षण संस्थानों में युवा पीढ़ी को रैगिंग के खिलाफ जोड़ने के लिए अभियान चलाया है। इसी अभियान के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने 12 से 18 अगस्त तक एंटी रैगिंग सप्ताह का आयोजन किया। इस दौरान एंटी रैगिंग जागरूकता रैली, विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं, गोष्ठियों, फिल्म प्रदर्शन आदि का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर कैंपस के साथ ही विभिन्न छात्रावासों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि कैंपस और छात्रावासों में बेहतर और सुरक्षित माहौल बनाएं। इसके लिए रैगिंग जैसी घटनाओं से दूर करने का संकल्प लेना होगा। कार्यक्रमों में छात्रों को एंटी रैगिंग कानून, दंडात्मक प्रावधान, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और रैगिंग मुक्त माहौल बनाए रखने की जिम्मेदारी के बारे में जानकारी दी गई।

एंटी रैगिंग सप्ताह में निकली रैली (बाएं) और तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में रैगिंग संबंधी फिल्म प्रदर्शन के दौरान उपस्थित छात्र–छात्राएं।

अंत में, सभी छात्र–छात्राओं को रैगिंग मुक्त माहौल बनाने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने कहा कि न तो वे रैगिंग करेंगे और न ही इसे सहन करेंगे। मुख्य वार्डन प्रो. दिनेश कुमार ने अपने संदेश में कहा कि रैगिंग न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि यह शिक्षा और संस्कार के मूल्यों के विपरीत है।

दुर्गा भाभी गर्ल्स हॉस्टल में मुख्य वार्डन प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. सरू कुमारी एवं इंजीनियर निधि भाटिया आदि ने भाग लिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हॉस्टल के कार्यक्रम में डॉ. योगेंद्र कुमार गौतम, डॉ. केपी सिंह, इंजीनियर प्रवीण कुमार, डॉ गौरव त्यागी, मनी सिंह एवं लक्ष्मी शंकर सिंह उपस्थित रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉस्टल में डॉ. मुनेश कुमार, डॉ. सीपी सिंह एवं डॉ. विजय कुमार राम ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस दौरान तिलक पत्रकारिता स्कूल में छात्र–छात्राओं को रैगिंग से जुड़ी फिल्म दिखाई गई और छात्रों को रैगिंग से दूर रहने की सलाह दी गई।

एंटी रैगिंग सप्ताह के समापन समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि रैगिंग जैसी प्रवृत्तियां विश्वविद्यालय की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। चीफ वार्डन प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि रैगिंग मानवीय मूल्यों के भी विपरीत है। डीन एजुकेशन प्रोफेसर राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय रैगिंग मुक्त कैंपस के लिए कृतसंकल्पित है। डा. प्रदीप चौधरी ने कहा कि रैगिंग रोकने के लिए आपसी सहयोग और संवाद आवश्यक है। डा. सचिन कुमार ने कहा कि शिक्षा के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण जरूरी है। डा. योगेंद्र गौतम ने कहा कि विश्वविद्यालय रैगिंग के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए है। दोषी विद्यार्थी को हास्टल से निकाला जा सकता है। सस्पेंशन या निष्कासन हो सकता है। शैक्षणिक रिकार्ड में ब्लैक मार्क लगाया जा सकता है। स्कालरशिप, फेलोशिप समाप्त की जाती हैं। शिकायत झूठी मिलने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होती है।

आइडियाथॉन 2025 : सर छोटूराम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 'आइडियाथॉन 2025' का आयोजन किया गया। इसमें 11 टीमों ने रचनात्मक सोच प्रस्तुत करते हुए नवाचार की दिशा में पहल की।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ललित कला विभाग व साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें देशभक्ति के रंगों से ओत–प्रोत संदेशों ने जनसमूह को तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित किया।

हर घर तिरंगा अभियान

मेरठ। ललित कला विभाग में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा टैटू बनाए गए। इस दौरान छात्र– छात्राओं ने चेहरे व हाथों पर सुंदर और प्रेरक चित्रकारी करके राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति देशभक्ति और एकता की भावना का संदेश दिया।

कार्यक्रम संयोजिका प्रो. अलका तिवारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत ललित कला विभाग में टैटू व फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने हाथों पर आई लव माय इंडिया, सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा, लाल किला, राष्ट्रीय पुष्प कमल, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय पक्षी मोर, शेर, स्वास्तिक आदि अपने चेहरे और हाथों पर चित्रित कर सभी का मन मोह लिया तथा जनमानस को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करने तथा देश को सर्वोपरि स्थान प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। एक–दूसरे के चेहरे पर तिरंगा बना कर देशभक्ति की भावना का संदेश जन समूह को दिया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. केके शर्मा ने और सांस्कृतिक परिषद की अध्यक्ष प्रो. नीलू जैन ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। कुल 45 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अयोध्या में भरत का सुशासन पढ़ेंगे राजनीति विज्ञान के छात्र

स्नातक और परास्नातक के लिए आया यूजीसी का नया पाठ्यक्रम, पहली बार उत्तर–पूर्व भारत भी इसमें शामिल

परिसर संवाददाता

मेरठ। राजनीति विज्ञान पढ़कर भविष्य के राजनीतिज्ञ और देश चलाने वाले नेता बनने जा रहे युवाओं को श्रीराम के छोटे भाई भरत के अयोध्या में सुशासन के पाठ को पढ़ाया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की ओर से जारी राजनीति विज्ञान के नए पाठ्यक्रम में वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड के 100वें सर्ग के 75 श्लो. कों में शामिल किया गया है।

इस सर्ग में श्रीराम, छोटे भाई भरत को राज्य संचालन के लिए महत्वपूर्ण सलाह देते हैं। वह बताते हैं कि एक राजा को अपने राज्य का शासन कैसे करना चाहिए। प्रजा का कल्याण कैसे सुनिश्चित करना चाहिए और राजा के लिए कौन–कौन से नियम होने चाहिए। इस सर्ग में राजा के कर्तव्य, मंत्री, आय–व्यय, न्याय और प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व का वर्णन किया गया है। इसका उद्देश्य राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने और शासन का हिस्सा बनने की इच्छा रखने वाले युवाओं को स्वयं से पहले देश का हित रखने की भावना को विकसित करना है।

यूजीसी के राजनीति विज्ञान की पाठ्यक्रम समिति में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा भी शामिल रहे। प्रोफेसर शर्मा कहते हैं कि नया पाठ्यक्रम छात्रों को केवल पश्चिमी सिद्धांतों तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि उन्हें भारतीय वैचारिक धरोहर और आधुनिक चुनौतियों, दोनों से जोड़ेगा। राजनीति विज्ञान का अध्ययन अब अधिक संतुलित, जड़ों से जुड़ा और भविष्य की दृष्टि से उपयोगी बन सकेगा। यह सजेस्टिव पाठ्यक्रम है और राजनीति के बदलते घटनाक्रम राजनीति विज्ञान का हिस्सा बनते हैं। सीसीएसयू के राजनीति विज्ञान विभाग में हमने छह महीने पहले ही पाठ्यक्रम के इन बदलावों को लागू कर दिया है और विद्यार्थी इसे पढ़ भी रहे हैं।

नए पाठ्यक्रम को स्नातक और स्नातकोत्तर, दोनों स्तरों के लिए जारी किया गया है। स्नातकोत्तर स्तर पर सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि पहली बार उत्तर–पूर्व भारत को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। यहां के सांस्कृतिक मार्ग, औपनिवेशिक दौर और स्वतंत्रता के बाद हुए परिवर्तन अब राजनीतिक अध्ययन का हिस्सा होंगे। इसके साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन और उपनिवेशवाद को एक साथ पढ़ने की परिकल्पना की गई है, जिससे छात्र दोनों धाराओं के अंतर्संबंध को समझ सकेंगे।

'आइडिया ऑफ भारत' विषय समय के साथ भारत की विकास यात्रा को प्रस्तुत करेगा, जबकि 'पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ टेंपल्स' मंदिरों के धार्मिक और आर्थिक पक्ष का अध्ययन कराएगा। भारतीय प्रवासी समुदाय पर आधारित नया पेपर भी इसमें जोड़ा गया है, जिसमें दुनिया भर में फैले सवा चार करोड़ भारतीयों के योगदान पर फोकस होगा।

वैकल्पिक विषयों में अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्थानीय स्वशासन और लोकतंत्र के सिद्धांत से लेकर भारतीय संघवाद, पश्चिम एशिया की राजनीति और भारत–अफ्रीका संबंध शामिल हैं। शांति अध्ययन में बुद्ध, महावीर और गांधी की शांति दृष्टि पढ़ाई जाएगी तो मानवाधिकार पर भारत और पश्चिम की अवधारणाओं का तुलनात्मक विश्लेषण होगा। 'भारत में राज्य का उदय' विषय मौर्य, गुप्त, अहोम और विजयनगर जैसे राजवंशों की भूमिका समझाएगा। 'एनर्जी डिप्लोमेसी' वैश्विक ऊर्जा राजनीति का चित्र प्रस्तुत करेगा। एक बड़ा आयाम 'भारतीय राजनीतिक दर्शन' है, जिसमें वैदिक परंपरा, बौद्ध, जैन, कौटिल्य, भक्ति और सूफी चिंतन से लेकर गांधी, तिलक, अंबेडकर, लोहिया और दीनदयाल उपाध्याय तक को शामिल किया गया है।

संस्कृति और राजनीति पर आधारित नया पेपर भी सिनेमा, साहित्य और सांस्कृतिक जीवन के राजनीति पर प्रभाव को समझाएगा। महाभारत के शांति पर्व की विदुर नीति और चौथी शताब्दी के चिंतक कामांडक की रचनाएं भी पढ़ाई जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मंडल सिद्धांत और षाड्गुण्य नीति का उल्लेख कर छात्रों को भारतीय दृष्टि से विश्व राजनीति की समझ दी जाएगी। षाड्गुण्य नीति राजा को छह गुणों का उपयोग करके अपने राज्य की रक्षा और विस्तार करने की सलाह देती है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ललित कला विभाग में राष्ट्रीय तिरंगा चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया। प्रदर्शनी में देशभक्ति, एकता व अखंडता पर छात्र–छात्राओं ने बेहतरीन कला का प्रदर्शन किया।

हथकरघा वस्त्र, भाषा और शब्दावली हमारी सांस्कृतिक धरोहर : प्रो. संगीता शुक्ला

परिसर संवाददाता

मेरठ। बुनकर सेवा केंद्र व चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की ओर से 11वें राष्ट्रीय हथकरघा महोत्सव एवं हथकरघा शब्दावली प्रलेखन के उपलक्ष्य में बुनकर सेवा केंद्र में हथकरघा वस्त्र भाषा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि हथकरघा वस्त्र भाषा और शब्दावली हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

अति विशिष्ट अतिथि प्रोवीसी प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता, असिस्टेंट कमिश्नर हैंडलूम और टैक्सटाइल डिपार्टमेंट इटावा सुनील यादव, विशिष्ट अतिथि आइआइटी रुड़की की असिस्टेंट प्रो. स्मिता सारस्वत, ट्रस्टी भाषा रिसर्च एवं पब्लिकेशन सेंटर वडोदरा डा. मदन मीना ने हथकरघा की पारंपरिक विरासत तथा बुनकरों को प्रोत्साहित करने की दिशा में और युवाओं को हथकरघा के प्रति जागरूक करने के संबंध में विचार रखे।

उपनिदेशक बुनकर सेवा केंद्र तपन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और हथकरघा पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीसीएसयू की ललित कला विभाग की समन्वयक प्रो. अलका तिवारी ने विश्वविद्यालय एवं बुनकर सेवा केंद्र की ओर से हथकरघा जागरूकता कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

महोत्सव में बुनकर फारूक व कमालुद्दीन समेत अन्य को सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में लोगों ने खरीदारी भी की। यह प्रदर्शनी 22 अगस्त तक लगी।

छात्रों को दिलाई शपथ : राष्ट्रीय एंटी–रैगिंग सप्ताह (12–18 अगस्त) के अंतर्गत छात्रावास में परिसर को रैगिंग मुक्त रखने के लिए छात्रों को शपथ दिलाते शिक्षक।

जल प्रदूषण गंभीर बीमारियों के लिए नहीं बनेगा सिरदर्द

शोध विश्वविद्यालय में जिंक ऑक्साइड और सिल्वर नैनो पार्टिकल से तैयार की विधि, पेटेंट हुआ फाइल

परिसर संवाददाता

मेरठ। अब विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला एंटीबायोटिक जल प्रदूषण गंभीर बीमारियों के लिए सिरदर्द नहीं बन सकेगा। सूर्य की रोशनी में एंटीबॉयोटिक मिश्रित जल को शोधित करने में चौधरी चरण सिंह विवि में भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार शर्मा और पीएचडी स्कॉलर शिवओम ने सफलता पा ली है।

यह विधि पानी में मौजूद एंटीबॉयोटिक को जल, कार्बन–डाई–ऑक्साइड और लवणों में बदल देगी। फोटो सिंथेसिस पौधों में होने वाली प्राकृतिक क्रिया है, जिसमें वह सूर्य की रोशनी में भोजन एवं ऑक्सीजन का निर्माण करते हैं। रिसर्च टीम का दावा है कि भविष्य में नदियों एवं झीलों में एंटीबॉयोटिक प्रदूषण की समस्या से निपटने का यह स्थायी एवं सस्ता विकल्प होगा।

'डिजाइन ऑफ एजी–डॉप्ड जिंक ऑक्साइड नैनोफ्लेक्स फॉर इफिसिएंट फोटोकेटेलिटिक डीग्रेडेशन ऑफ एक्टिव फॉर्मास्यूटिकल इन्ग्रीडिएंट्स अंडर नेचुरल सनलाइट एक्सपोजर' शीर्षक से यह पेपर एल्सवेयर के जर्नल ऑफ एन्वॉयरमेंटल केमिकल एंजीनियरिंग में प्रकाशित हुआ है। सीसीएसयू से यह पहला पेपर है, जो इस जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

प्रो. संजीव शर्मा

प्रो. संजीव शर्मा ने बताया कि इस विधि का पेटेंट फाइल कर दिया है। अब वे डिवाइस तैयार कर रहे हैं जो इसके व्यवसायिक प्रक्रिया के लिए जरुरी होगी।

भौतिक विज्ञान में इस प्रक्रिया पर दो साल से शोधरत शिवओम ने बताया कि जिंक ऑक्साइड और सिल्वर नैनो पार्टिकल का प्रयोग किया है। जिंक ऑक्साइड नॉन टॉक्सिक, एंटी बॉयोटिक, एंटी फंगल है।

जब इसे सिल्वर नैनोपार्टिकल के साथ क्रियाशील किया गया तो इससे नैनोफ्लैक्स बने। नैनो फ्लैक्स एक तरह की शीट हैं। जब यह क्रिया सूर्य की रोशनी में कराई गई तो एंटी बॉयोटिक टूटकर अन्य घटकों में बदल गए। टीम ने जिन एंटी बॉयोटिक पर काम किया वह सिप्रोफ्लोक्सासिन एवं एजिथ्रोमाइसिन हैं। ये एंटीबॉयोटिक जल, कार्बन–डाई–ऑक्साइड और लवणों में टूट गए।

याद रहेगा जल–जंगल और जमीन का संघर्ष

परिसर संवाददाता

मेरठ। बिरसा मुंडा से धरती आबा अर्थात धरती का स्वामी भगवान बिरसा मुंडा बनने तक की यात्रा संघर्ष से भरी पड़ी है। मिशनरियों द्वारा वनवासी क्षेत्र में धर्मांतरण करने का कार्य जोर–शोर से चल रहा था। बिरसा मुंडा ने ईसाई मिशनरियों द्वारा किए धर्मांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। उन्होंने वनवासियों के पारंपरिक रीति–रिवाज, जीवनशैली और परंपराओं को अपनाने और पुनर्जीवित करने का काम किया। ब्रिटिश शोषण और ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त जागीरदारों के शोषण के विरुद्ध उन्होंने आंदोलन चलाया। वनवासी क्षेत्र के जल, जंगल और जमीन को लेकर उनका संघर्ष प्रेरणादायक रहेगा। इतिहास विभाग एवं राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'बिरसा मुंडा का जीवन और उनकी विरासत' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारंभ में यह बात राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कही।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने वनवासी क्षेत्र एवं जनजातीय परिवारों के उत्थान की दिशा में कारगर प्रयासों पर जोर दिया। कहा कि हम अपने अनुसंधान से जनजातीय परिवारों के समाज के

इतिहास विभाग में 'बिरसा मुंडा का जीवन और उनकी विरासत' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सहभागी बन सकते हैं।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा में अतिरिक्त निदेशक प्रो. कुमार रत्नम ने बिरसा मुंडा के भगवान बिरसा मुंडा बनने की यात्रा को साझा किया। नेशनल ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट में विशेष निदेशक प्रो. नूपुर तिवारी ने बिरसा मुंडा के जीवन के विविध पक्षों को पेश किया।

पहले दिन दो तकनीकी सत्रों में 27 शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार में प्रो. विषेशा कुमार द्वारा प्रकाशित पुस्तक का विमोचन हुआ।

संयोजक और विभागाध्यक्ष प्रो. केके शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 10 राज्यों से पधारे प्रोफेसर्स व शोध छात्रों ने जो शोध पत्र प्रस्तुत किए, वे बिरसा मुंडा के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और आध्यत्मिक चेतना के पक्ष को विभिन्न तथ्यों के आधार पर किए गए उनके योगदान को परिलक्षित करते हैं।

इतिहास विभाग में बिरसा मुंडा के जीवन और विरासत पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में बोलते डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी। इस दौरान मंचासीन हैं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला व अन्य अतिथि।

भावी इंजीनियरों को मानसिक स्वास्थ्य के टिप्स दिए

परिसर संवाददाता

मेरठ। सर छोटू राम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में स्वयंसेवी संस्था मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया द्वारा 'कम्युनिटी वेलनेस एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम' के तहत 'मेंटल हेल्थ एंड इमोशनल वेलबीइंग फोर स्टूडेंट्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। निदेशक प्रो. नीरज सिंघल ने कहा कि सभी स्टूडेंटस को मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषय के ऊपर ठीक वैसे ही बात करनी चाहिए जैसे कि हम शारीरिक समस्याओं के संबंध में किसी पेशेवर डॉक्टर से मदद लेते हैं।

प्रो० संजय कुमार ने कहा कि जब कभी भी जिंदगी में परेशानी आए तो हमें उसका सामना करने के कौशल विकसित करने चाहिए। हर समस्या का समाधान होता है लेकिन जब कभी समस्याएं ज्यादा जटिल होती हैं तो हम अकेले समाधान नहीं कर सकते। ऐसे में हमें किसी की सहायता लेनी चाहिए।

मुख्य वक्त के रूप में एम एच एम इंडिया में कॉरपोरेट ट्रेनर और पीआर मैनेजर नीरज शर्मा ने कहा कि प्रायः समाधान हमारे अंदर ही होता है बस हमें उसे देखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं कर पाते है तो हमें पेशेवर मदद लेने की आवश्यकता होतीं है। कहा कि यदि हम रोज एक्सर्साइज, मेडिटेशन, आदि क्रियाओं में खुद को व्यस्त रखते हैं तो मानसिक स्वास्थ्य को वेहतर रख सकते हैं।

इस दौरान काउन्सलिंग साइकोलॉजिस्ट प्रिया पाल ने मेंटल रिलेक्सेशन की प्रैक्टिस करायी।

राजनीति विज्ञान विभाग में 'द ग्रीन गैदरिंग' का उद्घाटन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में छात्रों द्वारा तैयार किए गए 'द ग्रीन गैदरिंग' का उद्घाटन प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, आचार्य एवं अध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, संकायाध्यक्ष कला व निदेशक अकादमिक, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ एवं मुख्य उद्घाटनकर्ता, प्रोफेसर एम. एम. सेमवाल, हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, गढ़वाल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर मदन मोहन सेमवाल नें छात्रों की मेहनत और पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति प्रतिवद्धता की सराहना की। 'द ग्रीन गैदरिंग' को

राजनीति विज्ञान विभाग में 'द ग्रीन गैदरिंग' के उद्घाटन के अवसर पर विवि के निदेशक अकादमिक, संकाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा के साथ विभाग के शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं।

विकसित करने की पहल राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने विभाग के एक खाली पड़े हिस्से के सौंदर्यकरण से की। विद्यार्थियों ने स्वयं से पहल करके गमलों की रंगाई पुताई और दीवारों पर चित्रकारी की और 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' की थीम पर उस कोने को विभाग की सबसे आकर्षक जगह बनाया।

इस कार्य का हिस्सा रहे आयुषी आर्य और सलोनी ने प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा और प्रोफेसर एम. एम. सेमवाल का पटका पहनाकर और तिलक करके स्वागत किया।

कार्य में शामिल सृजन, तुषार, अन्वेषा, मानवी, गुलिस्तां, प्राची अनिरुद्ध, साक्षी, गौहर, गौरव, जयंत, शिल्की, निशा, सोनम, दीपांशी, मेघा, शशांक आदि विद्यार्थियों की सराहना करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजीव शर्मा ने ईको क्लब बनाने का सुझाव दिया ताकि राजनीति विज्ञान पढ़ने के साथ–साथ अन्य गतिविधियों में भी छात्र–छात्राएं बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।

सहायक आचार्य, डॉ. मुनेश कुमार एवं डॉ. सुषमा रामपाल के नेतृत्व में छात्रों ने पिछले एक माह पूरे विभाग को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया, राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता में सहभागिता की एवं रिसाइक्लिंग पर जोर देते हुए पुरानी वस्तुओं को ही प्रयोग में लिया गया। यह विद्यार्थियों के कौशल और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को दर्शाता है। इस अवसर पर विभाग से डॉ. भूपेंद्र, डॉ. देवेंद्र, डॉ. चंचल डॉ. रवि के साथ शोधार्थी उपस्थित रहे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

प्रतियोगिता में दिखाया दम : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हुई बैडमिंटन प्रतियोगिता के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के समक्ष अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करतीं छात्राएं।

दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अवसर पर साइकिल रैली भी कराई गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सीसीएसयू कैंपस में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता

समापन पर खेल प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया।

खेल सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, अनुशासन और टीम भावना का भी प्रतीक

परिसर संवाददाता

मेरठ। खेल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का प्रतीक है। विवि विद्यार्थियों को खेल और फिटनेस गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान कर रहा है। छात्र खेल गतिविधियों में शामिल हों और टीम भावना के साथ खेलें। राष्ट्रीय खेल दिवस पर सीसीएसयू कैंपस में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ में यह बात कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कही।

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 'एक घंटा मैदान में' पहल के साथ ये प्रतियोगिताएं हुईं। पहले दिन महिला एवं पुरुष बैडमिंटन तथा दौड़ प्रतियोगिता हुई। पुरुष एकल में 17, पुरुष डबल्स में 21, महिला सिंगल्स में 11 और महिला डबल्स में 16 मैच खेले गए। प्रो. इंचार्ज डॉ. दिनेश कुमार ने कहा खेलों को बढ़ावा देने और फिटनेस के प्रति जागरूकता के लिए खेल प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। छात्रों के व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने में यह सहायक है।

महिला एवं पुरुष बैडमिंटन में कुल 92 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। एकल महिला वर्ग में रश्मि कश्यप प्रथम, निशाता द्वितीय रहीं। महिला युगल में रश्मि और हिमांशी की जोड़ी ने बाजी मारी। निष्ठा और ज्योति की जोड़ी दूसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में कुश गिरी प्रथम और अर्जुन द्वितीय रहे। पुरुष युगल में गौतम और जयंत की जोड़ी जीती।

खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों के साथ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

इस अवसर पर साइकिल रैली भी कराई गई। इसमें 40 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। 'भारत और ओलंपिक' विषय पर विचार गोष्ठी भी हुई। मुख्य अतिथि कन्हैया कुमार ने ओलंपिक के इतिहास व भारत के प्रदर्शन के बारे में बताया। समापन पर विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया।

दीक्षोत्सव कविता लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता की घोषणा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में दीक्षोत्सव 2025 के तहत कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन 11 सितंबर को किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के विषय 'राष्ट्र' और 'समाज' होंगे।

परिषद के समन्वयक प्रोफेसर केके शर्मा के अनुसार प्रतियोगिता सुबह दस बजे से मनोविज्ञान विभाग में होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 9 सितंबर शाम छह बजे तक पंजीकरण कराया जा सकता है। कविता हिंदी या अंग्रेजी में लिखी जा सकती है। समय 30 मिनट का होगा। कविता 20 से 30 पंक्तियों और 500 शब्दों तक की हो सकती है।

कविता मौलिक होनी चाहिए। अधिकतम दो प्रविष्टियों की अनुमति होगी। कविता लिखने के लिए कागज और पैन आयोजक उपलब्ध कराएंगे।

यहां दिए गए गूगल फॉर्म के लिंक के जरिये प्रतियोगिता में पंजीकरण कराया जा सकता है।

परिसर कविता लेखन प्रतियोगिता, दिनांक: 11.09.2025 समय: 10:00 AM
स्थल:मनोविज्ञान विभाग, सीसीएसयू, मेरठ
Google form link/ QR code for event Registration
https://forms.gle/Hq8eAe59VSapG3Eb6
Last Date to Register- 6:00 PM, 09.09.2025

इसी के साथ चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन की भी घोषणा की गई है जो 8 सितंबर को सुबह दस बजे से ललित कला विभाग में होगी। इसके विषय भी राष्ट्र और समाज ही होंगे। इसके लिए ड्राइंग शीट आयोजक देंगे। बाकी सामग्री प्रतियोगी को लानी होगी।

चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 5 सितंबर को दो बजे तक रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। इसके लिए भी गूगल फॉर्म का लिंक और क्यू आर कोड जारी किया गया है।

परिसर चित्रकला प्रतियोगिता, दिनांक:08.09.2025 समय: 10:00 AM
स्थल:ललित कला विभाग, सीसीएसयू, मेरठ
Google form link for event Registration
https://forms.gle/TponLBC3AykRcXHE6

उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति का सम्मान समारोह

प्रोफेसर लोहनी ने हिंदी के प्रचार प्रसार को आधुनिक दृष्टि दी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी के उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में कुलपति नियुक्त होने पर रविवार 31 अगस्त को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रति कुलपति प्रोफेसर मृदुल गुप्ता ने कहा कि प्रोफेसर लोहनी ने देश–विदेश में हिंदी के प्रचार–प्रसार को आधुनिक दृष्टि दी। उन्होंने तकनीकी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

प्रोफेकर एचएस सिंह ने कहा कि प्रोफेसर लोहनी कर्मठ और निष्ठावान व्यक्तित्व हैं। प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रोफेसर लोहनी ने हिंदी को चीन से लेकर स्विट्जरलैंड तक पहुंचाया। प्रो. वीरपाल सिंह ने कहा कि प्रोफेसर लोहनी ने सीसीएसयू में ओडीएल को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया।

सम्मान समारोह के दौरान प्रोफेसर लोहनी के साथ प्रति कुलपति प्रोफेसर मृदुल गुप्ता और निदेशक एकेडमिक प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा।

प्रोफेसर उमा जोशी ने उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व और प्रेरणादायक आचार्य बताया।

प्रोफेसर लोहनी ने विद्यार्थियों, सहयोगियों और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि छात्रहित और संस्था हित में कार्य करना ही उनकी प्राथमिकता है। डॉ. राजेश कुमार ने उन्हें समर्पित प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। संचालन डॉ. अंजू और डॉ. मोनू सिंह ने किया। इस अवसर पर कई प्रोफेसर, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विवि के छात्र का प्राणी सर्वेक्षण विभाग में चयन

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के मेधावी शोधार्थी वैभव सिंह का चयन प्राणी सर्वेक्षण विभाग (जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) कोलकाता में कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (जेआरएफ) पद पर हुआ है।

वैभव सिंह ने प्राणी विज्ञान में स्नातकोत्तर किया है तथा यूजीसी की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने यह सफलता प्राणि विज्ञान के डॉ. दुष्यंत चौहान के मार्गदर्शन में प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने वैभव सिंह को शुभकामनाएं दी हैं।

वीरेंद्र मौर्या को खेल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक का जिम्मा

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार मौर्या को प्रदेश शासन ने प्रदेश के पहले खेल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है।

सत्र 2025–26 के लिए वीरेंद्र कुमार मौर्य चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के साथ खेल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के कार्य देखेंगे। कुलपति, रजिस्ट्रार, वित्त नियंत्रक खेल विश्वविद्यालय में पहले से काम कर रहे हैं। शुक्रवार को खेल विवि में चारों महत्वपूर्ण पद पूरे हो गए।